भारत सरकार
जल शक्ति मंत्रालय
पेयजल एवं स्वच्छता विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 847
दिनांक 23.07.2026 को उत्तर दिए जाने के लिए

उत्तर प्रदेश में जल जीवन मिशन के अंतर्गत चिह्नित गांव

847. **श्री नीरज मौर्यः**
श्री देवेश शाक्यः
श्री लालजी वर्माः

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) उत्तर प्रदेश के एटा, कासगंज, अम्बेडकर नगर, बरेली, बदायूं और शाहजहांपुर जिलों के प्रत्येक ब्लॉक में जल जीवन मिशन (जेजेएम) के अंतर्गत पाइपलाइनों के माध्यम से पीने के पानी की आपूर्ति के लिए चिह्नित किए गए गांवों की संख्या कितनी है;

(ख) इन जिलों के उन गांवों का ब्यौरा और नाम क्या है जहां जल जीवन मिशन के तहत प्रत्येक घर में शत-प्रतिशत नल के पानी का कनेक्शन प्रदान करने का लक्ष्य हासिल कर लिया गया है;

(ग) इन जिलों और आंवला लोक सभा क्षेत्र के उन ब्लॉकों के नाम और ब्यौरा क्या हैं जहाँ पाइपलाइन बिछाने के बाद संबंधित एजेंसी द्वारा क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत का कार्य पूरा कर लिया गया है, और वे कौन से स्थान हैं जहाँ उक्त कार्य अभी भी लंबित है; और

(घ) ऐसे गांवों और ब्लॉकों में लक्ष्यों को प्राप्त न कर पाने के क्या कारण हैं?

उत्तर

राज्य मंत्री, जल शक्ति
(श्री वी. सोमण्णा)

(क): पेयजल राज्य का विषय है और इसलिए जल जीवन मिशन के अंतर्गत पेयजल आपूर्ति योजनाओं की आयोजना, अनुमोदन, कार्यान्वयन, संचालन और रखरखाव का उत्तरदायित्व राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों का है। भारत सरकार तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करके राज्यों की सहायता करती है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बढ़े हुए परिव्यय के साथ जल जीवन मिशन

(जेजेएम) को दिसंबर 2028 तक बढ़ाने की मंजूरी दे दी है, और जेजेएम 2.0 के तहत ग्रामीण पेयजल आपूर्ति क्षेत्र में संरचनात्मक सुधारों पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक पुनर्गठित कार्यान्वयन फ्रेमवर्क को शामिल किया गया है।

उत्तर प्रदेश राज्य द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, उल्लिखित जिलों में जल जीवन मिशन के तहत पाइपलाइनों के माध्यम से पेयजल आपूर्ति प्रदान करने के लिए चिह्नित किए गए ब्लॉक और ब्लॉक-वार गांवों की संख्या नीचे दी गई है: -

जिला	**ब्लॉकों की संख्या**	**गांवों की संख्या**
एटा	8	852
कासगंज	7	654
अम्बेडकर नगर	9	1600
बरेली	15	1866
बदायूं	15	1476
शाहजहांपुर	15	2088

(ख): उत्तर प्रदेश राज्य ने सूचित किया है कि जिन जिलों में शत-प्रतिशत नल जल कनेक्शन का लक्ष्य प्राप्त कर लिया गया है, उन गांवों का ब्यौरा और नाम नीचे दिए गए हैं:-

जिला	**100% नल जल कनेक्शन की सूचना देने वाले गांवों की संख्या**
एटा	238
कासगंज	241
अम्बेडकर नगर	479
बरेली	575
बदायूं	709
शाहजहांपुर	1187

इसके अलावा, उत्तर प्रदेश के एटा, कासगंज, अम्बेडकर नगर, बरेली, बदायूं और शाहजहांपुर जिलों के उन गांवों के नाम जहां जेजेएम के तहत हर घर में शत-प्रतिशत नल जल कनेक्शन का लक्ष्य हासिल कर लिया गया है, पब्लिक डोमेन में उपलब्ध हैं और इसे निम्न लिंक **https://ejalshakti.gov.in/jjmreport/JJMState.aspx** पर देखा जा सकता है।

(ग): राज्य ने सूचित किया है कि जिला एटा में 08 ब्लॉकों (शीतलपुर, निधौली कलां, अवगढ़, मरहरा, साकीट, जलेसर, अलीगंज और जैथारा) के 560 गांवों में कार्य-निष्पादन एजेंसियों द्वारा 100% सड़क पुनरूद्धार का कार्य पूरा कर लिया गया है। शेष 205 गांवों में, क्षतिग्रस्त सड़क को वाहन चलाने योग्य बना दिया गया है और बहाली का कार्य प्रगति पर है। शेष 87 गांवों में कोई सड़क नहीं तोड़ी गई है।

कासगंज जिले में 07 ब्लॉकों (कासगंज, सहवर, पटियाली, सिद्धपुरा, अमनपुर, सोरन और गंजडूनवाड़ा) के 556 गांवों में 100% सड़क बहाली का कार्य पूरा कर लिया गया है। शेष 29 गांवों में कोई सड़क नहीं तोड़ी गई है।

अम्बेडकर नगर जिले में 09 ब्लॉकों (अकबरपुर, बसखरी, भीटी, भियांव, जहागीरगंज, जलालपुर, कटेहरी, रामनगर और टांडा) के 1431 गांवों में 100% सड़क बहाली का कार्य निष्पादन एजेंसियों द्वारा पूरा कर लिया गया है। शेष 142 गांवों में क्षतिग्रस्त सड़क को वाहन चलाने योग्य बना दिया गया है और बहाली का कार्य प्रगति पर है। शेष 27 गांवों में कोई सड़क नहीं तोड़ी गई है।

बरेली जिले में, 15 ब्लॉकों (आलमपुर जाफराबाद, बहेड़ी, भादपुरा, भोजपुरा, भूटा, बिथरीचैनपुर, दमखौदा, फरीदपुर, फतेहगंज, क्यारा, मझगवां, मीरगंज, नवाबगंज, रामनगर और शेरगढ़) के 1369 गांवों में कार्य-निष्पादन एजेंसियों द्वारा 100% सड़क बहाली का काम पूरा कर लिया गया है। शेष 435 गांवों में, क्षतिग्रस्त सड़क को वाहन चलाने योग्य बना दिया गया है और बहाली का कार्य प्रगति पर है। शेष 62 गांवों में कोई सड़क नहीं तोड़ी गई है।

संसदीय क्षेत्र अनोला में बरेली जिले के आलमपुर, जाफराबाद, भूटा, बिठरीचैनपुर, फरीदपुर, क्यारा, मझगवां और रामनगर ब्लॉक आते हैं। कार्य-निष्पादन एजेंसियों द्वारा 568 गांवों में 100% सड़क मरम्मत का काम पूरा कर लिया गया है और 181 गांवों में क्षतिग्रस्त सड़क को वाहन चलाने योग्य बना दिया गया है और बहाली का कार्य प्रगति पर है।

संसदीय क्षेत्र अनोला में जिला बदायूं के दातागंज, जगत, मियोन, कादरचौक, समरेर, उझानी और उसावन ब्लॉक आते हैं। कार्यान्वयन एजेंसियों द्वारा 277 गांवों में 100% सड़क बहाली का काम पूरा कर लिया गया है और 276 गांवों में क्षतिग्रस्त सड़क को वाहन चलाने योग्य बना दिया गया है और बहाली का काम प्रगति पर है।

जिला बदायूं में, 15 ब्लॉकों (अंबालापुर, असफपुर, बिसौली, दहगवां, दातागंज, इस्लामनगर, जगत, मियोन, कादर चौक, सहसवान, सलारपुर, समरेर, उझानी, उसावां और वजीरगंज) के 830 गांवों में कार्य-निष्पादन एजेंसियों द्वारा 100% सड़क बहाली का काम पूरा कर लिया गया है। शेष 616 गांवों में क्षतिग्रस्त सड़क को वाहन चलाने योग्य बना दिया गया है और बहाली का कार्य प्रगति पर है। शेष 30 गांवों में कोई सड़क नहीं तोड़ी गई है।

शाहजहांपुर जिले में 15 ब्लॉकों (बांदा, भलखेड़ा, दादरोल, जैतीपुर, जलालबाद, कलां, कंठ, खुदागंज कथा, खुतर, मदनापुर, मिर्जापुर, निगोही, पवयान, सिंधौली और तिलहर) के 1546 गांवों में 100% सड़क सुधार का कार्य पूरा कर लिया गया है। शेष 486 गांवों में,

क्षतिग्रस्त सड़क को वाहन चलाने योग्य बना दिया गया है और बहाली का कार्य प्रगति पर है। शेष 56 गांवों में कोई सड़क नहीं तोड़ी गई है।

(घ): उत्तर प्रदेश राज्य ने सूचित किया है कि कोविड-19 महामारी और मशीनरी, जनशक्ति, सामग्री आदि की अनुपलब्धता कार्य-निष्पादन में विलंब के कारण हैं। सभी योजनाओं को मिशन की विस्तारित अवधि तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

*****